होनहारों का दबदबा : बर्कले यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया भी जाएंगे युवा

हमारे इनोवेशन की विदेश में धाक जर्मनी-यूएस से बुलावा

दूसरे देश करें निवेश, कर रहे होमवर्क

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. विदेशों में हमारे स्टार्टअप्स की फिर धाक जमेगी। जयपुर और दूसरे शहरों में इनोवेशन को बिजनेस के रूप में डवलप करने वाले युवा ऑस्ट्रिया, जर्मनी और यूएस जाएंगे।. इसके अलावा यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के विद्यार्थियों से भी स्टार्टअप्स के बारे में चर्चा करेंगे।

राजस्थान सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग (डीओआईटी) से प्रदेश के लिए नजीर बने स्टार्टअप्स और उनसे जुड़े लोगों की जानकारी मांगी है, जिन्हें इन देशों में भेजा जा सके। खास यह है कि हमारे इनोवेशन में दूसरे देश किस तरह निवेश करें, इसके लिए होमवर्क किया जा रहा है। इसके लिए उन स्टार्टअप्स को चिह्नित किया जा रहा है, जिन्होंने लीक से हटकर काम किया है।

इनोवेशन चैलेंज में 2 करोड़ रुपए तक...

2 करोड़ रुपए पहले विजेता को

1 करोड़ दूसरे नम्बर पर रहने पर

50 लाख रुपए तीसरे नम्बर पर रहने पर

(इसके लिए डीओआईटी हर वर्ष दो बार कम्पीटिशन का आयोजन करेगा। नई पॉलिसी में यह राशि दोगुना की गई है। अभी तक 34 युवा चैलेंज अभियान में भागीदारी कर चुके हैं)

स्टार्टअप, जिन्होंने चैलेंज स्वीकारा

■ **टेबलेट बेस चैक-इन सिस्टम :** सचिवालय में विजिटर मैनेजमेंट के लिए टेबलेट बेस चैक-इन सिस्टम तैयार किया गया। इसमें विजिटर को अपनी डिटेल डालनी होती है। मोबाइल नंबर से ओटीपी से वेरीफाई करना होता है। क्यूआर कोड स्कैन करने से स्वत: डिटेल ले लेता है।

■ **डॉक्टर, मरीज, मेडिकल स्टोर एक प्लेटफार्म पर:** ऐसा प्लेटफार्म विकसित किया है, जहां फिजिशियनों, मरीजों और स्थानीय मेडिकल स्टोर को एक जगह लेकर आए हैं। 5 हजार फिजिशियन, 35 लाख परिवार व 40 हजार मेडिकल स्टोर जुड़े हुए हैं।

■ **एक रुपए में आरओ वाटर:** ऐसा आरओ तैयार किया गया, जिसमें पानी की बर्बादी केवल 25-30 फीसदी ही होती है। आरओ में सात फिल्टर लगाए, उनसे 70-75 प्रतिशत पानी उपयोग में आने लगा। इसी कारण आमजन को एक रुपए प्रति लीटर आरओ पानी मिलना संभव हुआ।

■ **कोडिंग का कैरिकूलम:** स्कूल के 6 से 16 साल तक छोटे बच्चों को आसान तरीके से कोडिंग सिखाने का कैरिकूलम तैयार किया गया है। यह ऑनलाइन व ऑफलाइन बिजनेस मॉडल है।

इन सेक्टर के स्टार्टअप पर फोकस: अभी पचास अलग-अलग सेक्टर में स्टार्टअप पर काम चल रहा है, लेकिन एग्रीकल्चर, एजुकेशन, हेल्थकेयर, आईटी, फाइनेंस, फूड, ट्रेवल-टूरिज्म पर ज्यादा इनोवेशन हुए हैं।

आइडिया अच्छा तो सरकार भी साथ

1 नई स्टार्टअप पॉलिसी में प्रावधान है कि युवाओं के आइडिया पर राज्य सरकार भी निवेश (इनवेस्ट) करेगी। सरकार को स्टार्टअप बिजनेस आइडिया सरकार को पसंद आया तो ***बतौर इक्विटी 5 करोड़ रुपए तक निवेश होगा।*** यानी, बिजनेस में लाभ और हानि में सरकार की भी हिस्सेदारी होगी।

2 शॉर्टटैक की तर्ज पर युवाओं के आइडिया को बल दिया जाएगा। इसके लिए वैंचर कैपिटलिस्ट और ऐंजल फंडर्स भी आएंगे। स्टार्टअप पर काम कर रहे ***राजस्थान के युवा उन्हें स्टार्टअप के जरिए बिजनेस मॉडल बताएंगे।*** ऐसे चुनिंदा युवाओं को फंडिंग मिलेगी।

यहां बच्चों से किसान तक जोड़ रहे

सामान्य स्टार्टअप- 3,462 स्टार्टअप रजिस्टर्ड हैं।

स्कूल स्टार्टअप- यूनिसेफ के साथ मिलकर स्कूली बच्चे स्टार्टअप आइडिया पर काम कर रहे हैं। ऐसे 1,820 स्कूलों के 30,143 बच्चे हैं। इनमें बच्चों की 1,610 टीम बनी हुई हैं।

रूरल स्टार्टअप- ग्रामीण इलाकों के लोगों को भी तकनीक के साथ जोड़ने का काम चल रहा है। अभी तक 794 स्टार्टअप रजिस्टर्ड हुए। इनमें किसान भी शामिल हैं।

आपके पास आइडिया तो यहां करें आवेदन: https://istart.rajasthan.gov.in/school-startup

Rajasthan Patrika Pg 1. 27/4/23